बिहार विधान परिषद

(197वां बजट सत्र)

25 फरवरी, 2021

[जल संसाधन - वित्त विभाग - श्रम संसाधन - परिवहन - लघु जल संसाधन - अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण - पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण - वाणिज्य कर - पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन - मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन - योजना एवं विकास - समाज कल्याण गृह].

कुल प्रश्न 20

पानी छोड़ने पर विचार

*55 **मो. फारूक (विधान सभा):**

जल संसाधन :-

क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि शिवहर जिलान्तर्गत बागमती नदी में बेलवा घाट के समीप पुरानी धारा में 40 प्रतिशत एवं नई धारा में 60 प्रतिशत पानी छोड़ने का प्रावधान है;

(ख) क्या यह सही है कि पुरानी धारा में पानी नहीं जाने के कारण लगभग सैकड़ों गांव में किसानों की कृषि बाधित रहती है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बागमती नदी की पुरानी धारा की उगाही कराकर 40 प्रतिशत पानी छोड़ने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

ठोस योजना बनाने पर विचार

*56 **श्री संजीव श्याम सिंह (शिक्षक गया):**

गृह :-

क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में लगातार आपराधिक वारदात पर वारदात हो रही हैं, पुलिस केस भी दर्ज कर रही है और आरोपियों को पकड़ भी रही है;

(ख) क्या यह सही है कि इन आपराधिक वारदातों में शामिल अपराधियों के पास अवैध हथियार तस्करी के जरिए आसानी से पहुँच जाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार राज्य में अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए कोई ठोस योजना बनाने का विचार रखती है ?

गिरफ्तारी कब-तक

***57 श्री रण विजय कुमार सिंह (विधान सभा):**

गृह :-

क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि बक्सर जिला के नगर थाना क्षेत्र से 345 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि दोनों तस्कर कोर्ट में पेशी के पश्चात् बिक्रमगंज जेल जाने के क्रम में हथकड़ी का रस्सी काट कर फरार हा गये;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार दोनों तस्करों की गिरफ्तारी करने के साथ-साथ भागने में सहयोग करने वाले कर्मी पर कार्रवाई करने का विचार रखती है ?

अपराधियों की गिरफ्तारी कब-तक

***58 श्री रामचन्द्र पूर्वे (विधान सभा):**

गृह :-

क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि वर्ष 2020 के दिसम्बर माह में कालेज छात्रा मंजु कुमारी की हत्या कर शव को बोरे में भरकर सीतामढ़ी शहर के बरियारपुर में सड़क किनारे फेंक दिया गया;

(ख) क्या यह सही है कि सीतामढ़ी कालेज छात्रा मंजु कुमारी के हत्यारे को अबतक गिरफ्तार नहीं किये जाने से पूरे सीतामढ़ी जिला में आक्रोश है और प्रदर्शन, कैंडिल मार्च नागरिकों द्वारा किया जा रहा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इस हत्या कांड के अपराधियों को गिरफ्तार करना चाहती है, यदि हाँ तो कब तक ?

कौन-सा कदम

*59 **श्री रजनीश कुमार (बेगूसराय स्थानीय प्राधिकार):**

लघु जल संसाधन :-

क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के बंद पड़े राजकीय नलकूपों की मरम्मती एवं रख-रखाव पंचायतों के माध्यम से कराये जाने का निर्णय विभाग ने लिया एवं इसके लिए राशि भी जिलों को आवंटित की जा चुकी है;

(ख) क्या यह सही है कि बंद पड़े राजकीय नलकूपों की मरम्मती एवं रख-रखाव के लिए जिला स्तर पर जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में समिति भी गठित की जा चुकी है;

(ग) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिले के बंद पड़े राजकीय नलकूपों को अभी तक चालू नहीं किया गया है जिससे रबी की फसल की सिंचाई में कठिनाई हो रही है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार इसके लिए कोई कदम उठाना चाहती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

अलग थाना बनाने पर विचार

*60 **प्रो. (डा.) रामबली सिंह (विधान सभा):**

गृह :-

क्या मंत्री, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में अति पिछड़ा वर्ग के लोगों पर विगत वर्षों में आपराधिक घटनाओं (बलात्कार/ हत्या/ मारपीट) में सबसे अधिक वृद्धि हुई है;

(ख) क्या यह सही है कि अति पिछड़ा वर्ग के लोगों के लिए अनुसूचित जाति वर्ग की तरह अलग थाना नहीं रहने के कारण अधिसंख्य आपराधिक मामले दर्ज ही नहीं हो पाते हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार अति पिछड़ों के लिए अलग से थाना बनाने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो इसकी क्या वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है ?

पहुँच पथ का निर्माण

*61 **श्री सुमन कुमार (मधुबनी स्थानीय प्राधिकार):**

श्रम संसाधन :-

क्या मंत्री, श्रम संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि मधुबनी जिला के बेनीपट्टी प्रखण्ड अंतर्गत शिवनगर गाँव में 6 करोड़ 33 लाख की लागत से 'राजकुमारी ताराकांत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान' का रिमोट के द्वारा माननीय मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन किया गया था;

(ख) क्या यह सही है कि 3 एकड़ 9 कट्ठा 10 धुर जमीन पर निर्मित भव्य दो मंजिला भवन S.H.- 52 अंतर्गत बेनीपट्टी-पुपरी पथ के शिवनगर गाँव के निकट सड़क के किनार अवस्थित है;

(ग) क्या यह सही है कि विधान परिषद् के पूर्व सभापति पंडित तारांकात झा द्वारा दान दी गई जमीन पर निर्मित उक्त संस्थान तक पहुँच पथ नहीं होने के कारण किराये के मकान में उक्त संस्थान को चलाकर लाखों रुपये किराये के मद में अपव्यय किया जा रहा है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार S.H.- 52 से राजकुमारी ताराकांत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान तक पहुँच पथ बनाकर संस्थान का संचालन करना चाहती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

घेराबंदी कबतक

*62 **श्री राधाचरण साह (स्थानीय प्राधिकार, भोजपुर एवं बक्सर):**

गृह :-

क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि बिहार के विभिन्न जिलों में मठ-मंदिरों और कब्रिस्तानों की घेराबंदी करने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या यह सही है कि राज्य में कितने मठ-मंदिर और कब्रिस्तान हैं, अब तक कितने की घेराबंदी हो चुकी है और कितना बाकी है;

(ग) क्या यह सही है कि गृह विभाग ने घेराबंदी करने के लिए 23 करोड़ रुपये की राशि जारी की है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार कबतक सभी मठ-मंदिरों और कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराना चाहती है ?

एम.ए.सी.पी. का लाभ

***63 डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

श्रम संसाधन :-

क्या मंत्री, श्रम संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि दिनांक-: 12.09.2008 को सचिवालय की भोजशालाओं में सर्विस बॉय की नियुक्ति के 12 वर्ष से अधिक की सेवा पूरी करने के बाद भी अबतक उन्हें एम.ए.सी.पी का लाभ नहीं दिया गया है;

(ख) क्या यह सही है कि वित्त विभाग की संकल्प संख्या:- 7566, दिनांक-: 14.07.2010 के अनुसार एम.ए.सी.पी. का लाभ प्रदान करने हेतु एक वर्ष में दो बार जनवरी और जुलाई माह में बैठक की जानी हैं;

(ग) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित सर्विस बॉय को अबतक एम.ए.सी.पी का लाभ नहीं दिया गया है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार बिहार के सचिवालयों की भोजशालाओं में कार्यरत सर्विस बॉय को एम.ए.सी.पी का लाभ कबतक प्रदान करना चाहती है ?

बस का परिचालन

***64 डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

परिवहन :-

क्या मंत्री, परिवहन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पूर्वी चंपारण जिलान्तर्गत साहेबगंज से केशरिया (बौद्धस्तूप) होते हुए मोतिहारी तक सरकारी बस परिचालन नहीं होने के कारण ग्रामीणों को यातायात में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में यथाशीघ्र सरकारी बस का परिचालन यथाशीघ्र करवाना चाहती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

भुगतान कबतक

***65 श्री संजय पासवान (विधान सभा):**

गृह :-

क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि विभिन्न समाचार पत्रों में संवेदक और स्थानीय ग्रामीण जनता एवं पुलिस प्रशासन के बीच बराबर गोलीबारी, मारपीट एवं हत्याएं होने की खबर छपती रहती हैं, लेकिन उस पर कोई कार्रवाई नहीं होती है;

(ख) क्या यह सही है कि दिनांक 22.10.2019 को ग्राम जनकपुर, जिला- बांका निवासी श्री फंटूश यादव की पुलिस फायरिंग से निर्मम हत्या कर दी गई जिसकी प्राथमिकी 557 / 19, दिनांक 02.11.2019 थाना- अमरपुर, जिला- बांका में उनके परिवार द्वारा दर्ज की गई;

(ग) क्या यह सही है कि पुलिस द्वारा फायरिंग की अनुमति किस पुलिस पदाधिकारी के द्वारा दी गई जिसमें फंटूश यादव की निर्मम हत्या हुई है, यह अनुसंधान का विषय है, साथ ही कांड सं.- 557 / 19 दिनांक 02.11.2019 पर अब तक पुलिस प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार पीडि़त परिवार को उचित मुआवजा देने एवं किसके आदेश से फायरिंग हुई जिसमें फंटूश यादव की मृत्यु हुई उसकी उच्चस्तरीय जांच कराकर वैसे पदाधिकारी पर यथाशीघ्र अनुशासनिक एवं प्रशासनिक कार्रवाई कर अविलम्ब मुअत्तल करना चाहती है, यदि हां तो कबतक ?

फसल का मुआवजा

*66 **डा. दिलीप कुमार जायसवाल (पूर्णिया, अररिया स्थानीय प्राधिकार):**

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन :-

क्या मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे किः-

(क) क्या यह सही है कि शिवहर जिला के शिवहर प्रखंड के फतहपुर, खैरवा, दाउद छपड़ा, हनुमाननगर आदि गांवों में घोड़परास एवं जगली सूअर के कारण सैकड़ों एकड़ में लगी सफल बर्बाद हो रही हैं;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त गांवों के किसानों की फसल बर्बार होने के कारण किसान आर्थिक तंगी से तबाह हो रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार उक्त गांवों से घोड़परास एवं जंगली सूअर को भगाने एवं किसानों की फसल का मुआवजा देने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कब तक ?

भूमिगत नाला का निर्माण

*67 **श्री संजय प्रसाद (मुंगेर स्थानीय प्राधिकार):**

जल संसाधन :-

क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है अपर क्यूल जलाशय योजना एवं खड़सारी शाखा चेन नंबर 287 से सनकुरहा काला आहर तक भूमिगत नाला निर्माण कराने का प्रस्ताव अधीक्षण अभियंता सिंचाई अंचल जमुई का पत्रांक 804 दिनांक:- 28.08.2018 के द्वारा विभाग को भेजा जा चुका है। विषयांकित कार्य की प्राक्कलित राशि 57.40 लाख थी;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त खड़सारी शाखा चेन नंबर 287 से सनकुरहा काला आहर तक अभी विभाग के द्वारा कुछ भी कार्य नहीं किया जा रहा है जबकि कार्य हो जाने से 1000 एकड़ जमीन की सिंचाई सुचारू रूप से की जा सकेगी;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार चेन नंबर 287 से सनकुरहा काला आहर तक भूमिगत नाला निर्माण कार्य कराना चाहती है, यदि हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

सरकारी भवन में संचालन कब तक

*68 **श्री आदित्य नारायण पाण्डेय (गोपालगंज स्थानीय प्राधिकार):**

समाज कल्याण :-

क्या मंत्री, समाज कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है गोपालगंज के बैकुंडपुर प्रखंड में अधिकतर आंगनबाड़ी केंद्र सरकारी भवन के अभाव में किराये के भवनों में चलाया जा रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि करीब सात वर्ष पूर्व प्रखंड की कई पंचायतों में आंगनबाड़ी केंद्रों के भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ किया गया था, जो अब तक बनकर तैयार नहीं हो सका;

(ग) क्या यह सही है कि आधे-अधूरे निर्माण हुए आंगनबाड़ी केंद्र के भवनों को अब ग्रामीण अपने मवेशियों को बांधने के लिए प्रयोग कर रहे हैं;

(घ) क्या यह सही है कि अभी जहां केंद्र संचालित किया जा रहा है, वहां बच्चों के खेलने के लिए सामग्री का अभाव है एवं केंद्रों में शौचालय की सुविधा नहीं है;

(ड.) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो सरकार गोपालगंज जिला के सभी प्रखंडों में सरकारी भवन में आंगनबाड़ी केंद्र कब तक संचालित करेगी, नहीं तो

क्यों ?

स्टेट बोरिंग चालू कबतक

*69 **श्री सच्चिदानंद राय (स्थानीय प्राधिकार, सारण):**

लघु जल संसाधन :-

क्या मंत्री, लघु जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सारण जिलान्तर्गत बनियापुर प्रखंड के लौवा कला गाँव में खेतों में सिंचाई हेतु वर्ष 2007 में स्टेट बोरिंग अधिष्ठापित किया गया था जो अधिष्ठापन के समय से ही खराब है;

(ख) क्या यह सही है कि स्टेट बोरिंग खराब होने से खेतों में सिंचाई बंद है जिसका प्रतिकूल असर किसानों की आमदनी पर पड़ा है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खराब पड़े स्टेट बोरिंग चालू कराने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

बांध का पुनर्निर्माण कबतक

*70 **डा. कुमुद वर्मा (विधान सभा):**

जल संसाधन :-

क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि गया जिला के डुमरिया प्रखंड अंतर्गत सेवरा पंचायत स्थित राजा बांध अत्यंत जीर्ण-शीर्ण है;

(ख) क्या यह सही है कि उक्त बांध के पुनर्निर्माण के लिए वर्ष 2014 में ही विभाग द्वारा लगभग चार करोड़ तीस लाख रुपये (4,30,00,000/-) का टेंडर हुआ था लेकिन उसे रद कर दिया गया;

(ग) क्या यह सही है कि उक्त बांध के पुनर्निर्माण से आसपास की 5 से 7 पंचायतों की कृषि योग्य भूमि को सिंचाई की सुविधा प्राप्त हो जाएगी;

(घ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त बांध का पुनर्निर्माण यथाशीघ्र कराने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

योजना चालू कबतक

*71 **डा. समीर कुमार सिंह (विधान सभा):**

जल संसाधन :-

क्या मंत्री, जल संसाधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि मुंगेर जिला की सिंधवारनी सिंचाई योजना के साथ गायघाट, वगरा, चानकेन सिंचाई योजनओं के लिए 1987-88 में 19 करोड़ रुपये स्वीकृत था जिससे काम भी लगभग नौ करोड़ रुपए का काम किया गया लेकिन 1990 में शेष राशि लौटा दी गयी;

(ख) क्या यह सही है कि खंड (क) की योजना के लिए 2005 में नाबार्ड से 8 करोड़ की दी गई राशि बिना काम हुए लौट गई;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उन सारी परिस्थितियों को देखते हुए कृषि एवं किसान हित में वन विभाग से अनापत्ति एवं पुनः योजना को चालू कराने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों ?

कब्रिस्तान की घेराबंदी

*72 **श्री गुलाम रसूल (विधान सभा):**

गृह :-

क्या मंत्री, गृह विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि पटना जिलान्तर्गत मनेर प्रखंड के ग्राम-सेवा के मौजा रेवा में (खाता-221, खेसरा सं.-1486) 1.73 डी. का कब्रिस्तान है;

(ख) क्या यह सही है कि कब्रिस्तान की घेराबंदी नहीं होने के कारण असामाजिक तत्वों द्वारा कब्रिस्तान की जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है तथा कब्रिस्तान की पवित्रता भंग हो रही है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार प्राथमिकता के आधार पर उक्त कब्रिस्तान की घेराबंदी कराना चाहती है, यदि हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

डिग्री की मान्यताओं की जांच

*73 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण :-

क्या मंत्री, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि सरकार के द्वारा पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए स्कॉलरशिप के अलावा यह व्यवस्था की गई कि वे जिस इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज या मैनेजमेंट कॉलेज में निजी संस्थानों में पढ़ रहे हैं, उनके फीस का भुगतान सरकार करेगी;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो अब तक ऐसे कितने छात्रों को सरकार की ओर से कितनी राशि का भुगतान किया गया है तथा जिन इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं मैनेजमेंट संस्थानों को सरकार की ओर से भुगतान किया गया है, उनकी मान्यता या उनके डिग्री की मान्यताओं की जांच सरकार ने की है या नहीं, यदि नहीं तो क्यों ?

पक्षी विहार का विकास

***74 प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन :-

क्या मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

(क) क्या यह सही है कि बेगूसराय जिले का कांवर पक्षी विहार एशिया के सबसे बड़े पक्षी विहारों में से एक था किंतु संरक्षण एवं सुरक्षा के अभाव में उक्त पक्षी विहार का अस्तित्व समाप्त हो गया है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार जमुई जिले के नागी-नकटी-डैम्प पक्षी विहार के साथ-साथ बेगूसराय जिले के कांवर पक्षी विहार का विकास करना चाहती है, हां तो कब तक ?